ओम शान्ति 4-12-13 मुम्बई

(आज शाम को 7से 7:30 बजे तक मधुबन के कुछ मुख्य भाई तथा पार्ला की बहनें गुल्जार दादी जी के साथ पार्ला सेन्टर पर योग कर रहे थे। तो दादी बाबा के पास अचानक वतन में चली गई और बाबा ने बहुत प्यार से सभी बच्चों को याद प्यार और सन्देश दिया)

बापदादा का सन्देश

आज अचानक बाबा के पास जाना हुआ तो बाबा ने कहा आज सभी स्नेही बच्चे आये हैं यह भी परिवार का प्यार है। चाहे यहाँ बैठे हैं या नीचे हैं सभी को बाबा ने बहुत प्यार किया। और कहा कि भविष्य राजधानी के जन्मों में भी समीप आने का आधार यह परिवार का प्यार है। फिर बाबा ने देश विदेश के सभी बच्चों को भी याद दी और कहा हर बच्चे को बाबा की तरफ से विशेष प्यार देना। मेरा हर बच्चा निर्विघ्न अवस्था में आगे बढ़ते अनुभवी बन गया है। अनुभव के आधार से और बाबा की चाहना से औरों को भी निर्विघ्न बनाओ। अब तो अपनी राजधानी आई कि आई। उस राजधानी में नजदीक से नजदीक वही आयेगा जो अभी बाबा ने कहा और बच्चों ने किया। इसका आधार है मुरली, प्रैक्टिकल अवस्था। बाबा की चाहना है कि अभी बच्चे अपनी एकरस अवस्था बनायें। फिर दादी जानकी के लिए बाबा ने कहा दादी के मन में सदा यही रहता है कि बाबा का यज्ञ निर्विघ्न हो, मालामाल हो। यज्ञ से दादी जानकी का बहुत-बहुत प्यार है। मन में भी यहीं संकल्प रहता तो स्वप्न भी यही देखती है कि बाबा जो चाहता है वो सभी करके दिखायें। जानकी दादी चाहती है बाबा का यज्ञ सदा सेफ रहे, तन से मन से और धन से भी। फिर योगिनी बहन के लिए कहा योगिनी की भी कमाल है जो इतने सब लोग आते जाते समाते जाते हैं। ऐसे कहते बाबा ने सबको यादप्यार दिया।

दादी गुल्जार